सांध्य दैनिक
4PM

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।
-स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 248 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 अक्टूबर, 2022

सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर काम... 8 | मुलायम सिंह की स्मृति में झांसी में... 3 | सीबीआई ने मुझसे 'आप' छोड़ने... 7

आतंक पर प्रहार

दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में एनआईए की छापेमारी

» विदेशों से आतंकवादियों को मिल रही आर्थिक मदद

» छापे में हथियार, ड्रग्स, गोला-बारूद और दस्तावेज बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के गठजोड़ पर करार प्रहार किया। इस मामले में टीम ने दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में छापेमारी की। देश के 50 अलग-अलग ठिकानों में तलाशी जारी है। छापेमारी के दौरान हथियार, ड्रग्स और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

एनआईए ने देशभर में आतंकी कनेक्शन को लेकर कई गैंगस्टर्स के ठिकानों पर छापेमारी की है। टीम ने भारत व विदेशों में स्थित आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के बीच बढ़ते गठजोड़ को खत्म करने के लिए यह एक्शन लिया है। पिछले नौ महीनों में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान से भारतीय सीमा में 191 ड्रोन्स की अवैध एंट्री रिपोर्ट की थी। भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के साथ केंद्र सरकार ने इस मामले में इनपुट शेयर किए हैं। वहीं दिल्ली पुलिस ने बीते दिनों यूएपीए के तहत दो मामले दर्ज किए थे। इन मामलों को लेते हुए छापेमारी की गई है। जांच में सामने आया था कि विदेशों में बैठे गैंगस्टर और देश की अलग-अलग जेलों में बंद गैंगस्टर अपना एक अलग लेवल का नेटवर्क चला रहे हैं और लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में छापा

इससे पहले एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के 8 जिलों में छापे मारे और प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के मुखौटा समूह अल-हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट (एएचईडी) के प्रमुख मोहम्मद आमिर शमशी को गिरफ्तार कर लिया। एएचईटी, राजौरी की कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामले के सिलसिले में राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, बांदीपोरा, शोपियां, पुलवामा और बडगाम में 18 स्थानों पर छापे मारे गए।

टीम ने 11 राज्यों में की थी कार्रवाई

बीते माह एनआईए की अगुवाई में कई एजेंसियों ने 11 राज्यों में आतंकवाद के वित्त पोषण में शामिल संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कम से कम 106 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। सबसे अधिक गिरफ्तारियां केरल (22), महाराष्ट्र (20), कर्नाटक (20), आंध्र प्रदेश (5), असम (9), दिल्ली (3), मध्य प्रदेश (4), पुडुचेरी (3), तमिलनाडु (10), उत्तर प्रदेश (8) और राजस्थान (2) में की गईं।

आतंकियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के गठजोड़ को खत्म करने की कार्रवाई

इतना ही नहीं जांच में ये भी सामने आया कि इनका आतंकी संगठनों से भी संबंध है। ये बड़े पैमाने पर लोगों के बीच आतंक पैदा करने के लिए और वारदातों को प्रचारित कर साइबर स्पेस का इस्तेमाल कर रहे थे। जो गैंगस्टर्स विदेश भाग गए हैं वे वहीं से गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। इस नेटवर्क को खत्म करने के लिए फाजिल्का, फरीदकोट, मुक्तसर, मोगा, तरणतारन, अमृतसर, लुधियाना, चंडीगढ़, पंजाब के मोहाली जिलों, पूर्वी गुरुग्राम, भिवानी समेत 50 स्थानों पर छापेमारी की गई। हरियाणा के यमुनानगर, सोनीपत और झज्जर जिले, राजस्थान के हनुमानगढ़ और गंगानगर जिले और दिल्ली/एनसीआर के द्वारका, आउटर नार्थ, नार्थ ईस्ट, नार्थ वेस्ट और शाहदरा में छापेमारी हुई। छापेमारी के दौरान एक स्थान पर छह पिस्टल, एक रिवॉल्वर, एक शॉटगन और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

इसके अलावा, ड्रग्स, नकदी, आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, बेनामी संपत्ति के कागजात, धमकी के खत एनआईए ने जब्त किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंक को फैलाने के लिए विदेश से पैसा लाकर आतंकियों को पहुंचाया जा रहा है। वहीं एजेंसी ने पटना के फुलवारी शरीफ में दो जगहों पर छापेमारी की। टीम हरियाणा के झज्जर में गैंगस्टर नरेश सेठी के आवास पर भी छापा मारा।

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रैश सात की मौत, जांच के आदेश

» घने कोहरे के कारण हादसा हेलीकॉप्टर सेवाओं पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केदारनाथ। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में आज हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गयी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा गरुड़चट्टी के पास हुआ। हेलीकॉप्टर आर्यन हेली कंपनी का बताया जा रहा है। अगले आदेश तक केदारनाथ में हेली सेवाओं पर रोक लगा दी गई है।

दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर में पायलट समेत सात तीर्थयात्री बैठे थे और हादसे में सभी की मौत हो गई। घटना का

कारण घना कोहरा बताया जाता है। हेलीकॉप्टर कई टुकड़ों में बंट गया। हादसे में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोग दक्षिण भारत के तीर्थयात्री बताये जा रहे हैं। इस घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी शोक प्रकट किया है। रेस्क्यू में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगी हुई हैं।

बिलकिस बानो के दोषियों की रिहाई पर राहुल का मोदी पर हमला, कहा

पीएम ने महिलाओं से किया सिर्फ छल

» गुजरात सरकार के बयान के बाद कांग्रेस नेता ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के बलात्कार केस में दोषियों की रिहाई पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, लाल किले से महिला सम्मान की बात लेकिन असलियत में बलात्कारियों का साथ। पीएम ने महिलाओं के साथ सिर्फ छल किया।

गुजरात सरकार ने सोमवार को

सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि चूंकि इस मामले की जांच सीबीआई ने की थी, इसलिए राज्य सरकार ने रिहाई से पहले केंद्र सरकार से भी मंजूरी ली थी। 15 अगस्त के दिन दोषियों की रिहाई हुई थी। जेल के बाहर आने पर दोषियों को मिठाई खिलाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया था। इसको लेकर ट्विटर पर पीएम नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी ने एक बार फिर हमला बोला। इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त राहुल गांधी ने लिखा, लाल किले से महिला सम्मान की बात लेकिन असलियत में बलात्कारियों का साथ। प्रधानमंत्री के वादे और इरादे में अंतर साफ है, पीएम ने महिलाओं के साथ सिर्फ छल किया है। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने 15 अगस्त को अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण का आह्वान किया था।

हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा यूपी : सीएम योगी

» प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से मिली विकास को रफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए ट्रिपल टी : ट्रेड, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म का मंत्र दिया है। उत्तर प्रदेश इन मंत्रों को आत्मसात कर लगातार आगे बढ़ रहा है। इससे पहले विकास की दौड़ में पिछड़े 8 आकांक्षात्मक जिलों के समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार के प्रयासों को भी उन्होंने मौके पर जाकर देखा।

साथ ही अपने भ्रमण के अनुभवों को मुख्यमंत्री से साझा किया। मुख्यमंत्री आवास पर राजदूतों ने आकांक्षात्मक जिले बहराइच और फतेहपुर के स्कूलों में बच्चों से बातचीत साफ-सफाई, गांव में अमृत सरोवर और लैंगिक समानता आदि प्रयासों को अच्छा बताया। राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत में सबसे बड़ी आबादी का प्रदेश है। आध्यत्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का स्रोत है। प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं। हम भारत में खाद्यान्न उत्पादन में प्रथम स्थान पर हैं। शुगर और एथेनाल का उत्पादन सर्वाधिक यहीं होता है। विभिन्न सब्जियों और फलों के उत्पादन में यूपी देश में प्रथम स्थान पर है। उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि निर्यात भी कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में प्रदेश के नागरिक दक्षिण-पूर्व एशिया और खाड़ी देशों में प्रवास करते हैं। इनमें बड़ी संख्या अकुशल श्रमिकों की है। सरकार इनके कौशल उन्नयन के लिए प्रयासरत है। राजदूतों के सहयोग से ऐसे लोगों को चिह्नित कर इनके कौशल संवर्धन का काम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की ओर से चिह्नित प्रदेश के 8 आकांक्षात्मक जिलों- बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, चंदौली, फतेहपुर, चित्रकूट, बहराइच और श्रावस्ती में विकास के सभी मानकों पर नियोजित ढंग से काम हो रहा है। नीति आयोग की रैंकिंग में इन जिलों ने अच्छा स्थान प्राप्त किया है। देश के कुल 112 आकांक्षात्मक जिलों में सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने वाले जिलों की नवीनतम सूची में हमारे 6 जिले शीर्ष 10 में शामिल हैं। जबकि, शीर्ष 20 में यूपी के सभी 8 जिले शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने आकांक्षात्मक विकासखंडों के सामाजिक-आर्थिक सुधार के लिए विशेष प्रयास प्रारंभ किए हैं। 100 विकासखंडों का चयन पूर्ण हो गया है।

दीपोत्सव में गाय के गोबर से बने दीपक से रोशन होगा रामलला का गर्भगृह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में इस बार की दीपावली कई जगह पर गाय के गोबर से बने दीपक से भी रोशन होगी। इनमें अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर का गर्भ गृह भी है। उत्तर प्रदेश के पशुधन विभाग ने तो इस बार इस आयोजन जोरदार तैयारी भी की है। लखनऊ में प्रदेश के पशु धन मंत्री धर्मपाल सिंह के साथ आईएएस अफसर विशेष सचिव पशुधन देवेंद्र पाण्डेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोबर से बने दीप (गोदीप) को भेंट किया। इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर इन्हीं दीपक से रोशनी की जाएगी। अयोध्या में इस बार बार दीपावली पर करीब सवा लाख गोदीप प्रच्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश शासन की ओर से उसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोदीप प्रतीकात्मक भेंट दी गई।

अयोध्या में छठे दीपोत्सव का आगाज इस वर्ष राम जन्मभूमि परिसर में बन रहे भव्य राम मंदिर के गर्भ गृह में गाय के गोबर से बने गोदीप जलाने जाने के साथ शुरू होगा। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 25000 गोदीप की व्यवस्था तैयार कर ली है। साथ ही भगवान श्री रामलला के अस्थाई गर्भगृह में भी गाय के गोबर से बनी 1100 दीप गाय के ही घी से प्रज्वलित किए जाएंगे। जिसके लिए अस्थाई भवन को भी चित्रों से सजाया जा रहा है।

अयोध्या पहुंचाए गए गाय के गोबर से बने दीप

श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि गाय के गोबर से बने दीपक अयोध्या पहुंच गए हैं। हम लोग इस बार रामलीला के दरबार में भी भगवतीपुर सोमनाथ जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी कारण इस बार गाय के गोबर से बने दीप को जलाया जाएगा इसके लिए गाय के घी का भी प्रयोग होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में भगवान राम लला के अस्थाई मंदिर में दीपोत्सव के पहले दर्शन करेंगे। वह मंदिर में शुद्ध देशी गाय के गोबर से तैयार किए गए दीपक को प्रज्वलित करेंगे। इसके बाद अयोध्या में दीपोत्सव का आगाज होगा।

यूपी में नई टेक्सटाइल पॉलिसी लागू : सचान

» उद्योग मंत्री बोले- वस्त्र उद्योग लगाने के लिए भूमि खरीदने पर मिलेगी 25 फीसदी की छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार नई टैक्स्टाइल गवर्नमेंट पॉलिसी 2022 लेकर आ रही है। नई पॉलिसी के तहत वस्त्र परिधान उद्योग के लिए भूमि खरीदने पर सरकार उद्यमियों को पूरे प्रदेश में गौतम बुद्ध नगर जिले को छोड़कर 25 प्रतिशत की छूट देगी और उन्हें उसका स्टांप शुल्क भी नहीं देना होगा। लोकभवन में मंत्री सचान ने कहा कि पिछले मंत्रिमंडल ने नई वस्त्र उद्योग नीति को मंजूरी दी थी और आज उसको लेकर सरकार ने आदेश जारी कर दिया।

कपड़ों के मामले में भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा निर्यात करने वाला देश है। हमारे संकल्प पत्र में भी प्रदेश को ग्लोबल टैक्स्टाइल हब बनाकर 10 हजार करोड़ के निजी निवेश को ले आना और 50 लाख बेरोजगारों को रोजगार देना हमारी नीति का मुख्य लक्ष्य है। मंत्री का कहना है कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक कपड़ा केंद्र बनाकर 10 हजार करोड़ निजी निवेश को आकर्षित करना और पांच लाख बेरोजगारों के लिए रोजगार इस नई नीति का मेन टारगेट है। सचान ने कहा कि वस्त्र परिधान उद्योग तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है और भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा घरेलू बाजार है। राज्य के संसाधनों की चर्चा करते हुए सचान ने कहा कि प्रदेश में प्रशिक्षित श्रमिक हैं, बुनकर हैं और वस्त्र उद्योग विकास संसाधनों की उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि निवेश प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इस नीति में अनेक प्रावधान किये गये हैं और इसके तहत युवाओं को इस कारोबार में प्रोत्साहित किया जाना है।

मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराएंगे : बृजेश पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 15 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप (पीपीपी) मॉडल पर चलाया जाएगा। इन अस्पतालों में 24 घंटे इमरजेंसी सहित सभी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया है। सीएचसी का चयन कर लिया गया है। प्रदेश में ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश की 15 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया है, जहां पीपीपी मॉडल पर सभी सुविधाएं विकसित की जा सकें।

इन सीएचसी पर एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ब्लड संबंधी जांच आदि की व्यवस्था पीपीपी मॉडल पर की जाएगी। जबकि यहां पहले से कार्यरत चिकित्सक व कर्मचारी मरीजों की सेवा में लगे रहेंगे। ऐसे में यहां आने वाले मरीजों को 24 घंटे चिकित्सा सुविधा मिलेगी। उन्हें जांच के लिए निजी केन्द्रों पर नहीं जाना पड़ेगा। इन सीएचसी पर मरीजों को सभी सुविधाएं मुफ्त दी जाएंगी। जबकि जांच सुविधा देने वाली फर्म को सरकार की ओर से भुगतान किया जाएगा। अस्पताल में मिलने वाली सभी सुविधाएं मरीज को पहले की तरह मिलती रहेंगी। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक कहते हैं कि ग्रामीणों को बेहतर सुविधा देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। बेहतर इलाज मुहैया कराएंगे। इसी रणनीति के तहत पहले चरण में 15 सीएचसी चुनी गईं हैं। यहां पीपीपी मॉडल पर सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे अवस्थापना सुविधाओं का पूरा लाभ मरीजों को देने की कोशिश है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

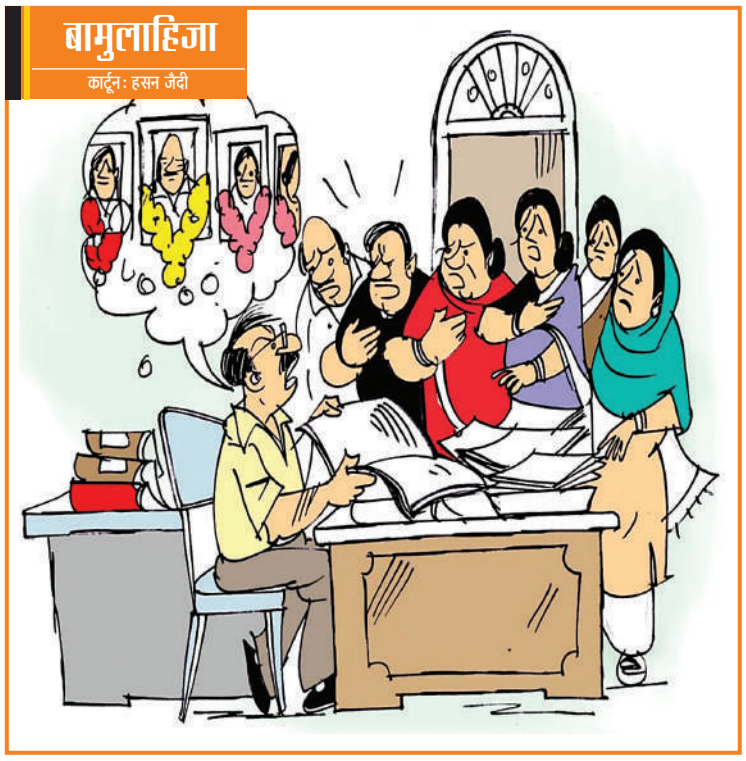

उत्तराखंड की एसीएस गृह का बयान गैर जिम्मेदाराना : प्रशांत कुमार

» बोले, यूपी पुलिस पर सवाल उठाना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी पुलिस को लेकर उत्तराखंड की अपर मुख्य सचिव गृह राधा रतूड़ी बयान को लेकर प्रदेश पुलिस ने कड़ी आपत्ति जताई है। अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने रतूड़ी के बयान को गैरजिम्मेदाराना बताते हुए उनसे सवाल किया है कि क्या उनकी नजर में न्यायालय से सजा पाने वाले मुख्तार अंसारी, विजय मिश्रा या खनन माफिया और एक लाख का वांछित जफर और उधम सिंह नगर का वांछित ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख निर्दोष लगते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी सिविल सर्वेंट को ऐसा गैरजिम्मेदाराना बयान देना शोभा नहीं देता है। बता दें कि उत्तराखंड में अपराधी पकड़ने गई यूपी पुलिस की फायरिंग में एक महिला की मौत होने बाद मचे बवाल को लेकर राधा रतूड़ी ने कहा था कि यूपी पुलिस दोषियों की बजाय निर्दोष लोगों को पकड़ती है। निर्दोष लोगों को पकड़कर क्राइम केसों को सॉल्व करने का चलन बहुत ही गलत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यूपी पुलिस कई बार निर्दोष व्यक्ति को पकड़कर कहती है कि हमने क्राइम केस सॉल्व कर दिया, जो सरासर गलत है।

मुलायम सिंह की स्मृति में झांसी में बनेगा म्यूजियम

बुंदेलखंड से जुड़ी नेताजी की यादों को संजोया जाएगा

» सपा के पूर्व सांसद अपने खर्च पर कराएंगे कंस्ट्रक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और परिवार को एकजुट करने में मुलायम सिंह यादव की भूमिका सबसे अहम थी। मुलायम ऐसे नेता थे, जिनके रिश्ते सभी से थे। पार्टी के लोग नेताजी को मानते थे, वे हर कार्यकर्ता को जोड़कर रखते थे। इसी के चलते झांसी में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की याद में म्यूजियम बनाया जाएगा। इसमें बुंदेलखंड के 7 जिलों से जुड़ी उनकी यादों को संजोया जाएगा।

म्यूजियम का निर्माण कोई और नहीं, बल्कि उनके करीबी रहे सपा के पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव अपने खर्च पर गढ़मऊ रोड पर कराएंगे। इसको लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। मुलायम सिंह के निधन के बाद अखिलेश यादव ने सैफई में मुलायम सिंह का संग्रहालय बनाने की घोषणा की थी। अब झांसी में भी उनकी स्मृति में म्यूजियम बनाने की योजना पर काम किया जाने लगा है। इसमें बुंदेलखंड से जुड़ीं उनकी सभी यादों को संजोया जाएगा। म्यूजियम में मुलायम सिंह के बुंदेलखंड के सभी दौरों का फोटो समेत रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। क्षेत्र के विकास के लिए मुलायम सिंह की ओर से किए गए कार्यों को भी फोटो व मॉडल के जरिए दर्शाया जाएगा। म्यूजियम में पुराने समाजवादियों के बारे में भी जानने का मौका मिलेगा। म्यूजियम का निर्माण मुलायम के करीबी और पार्टी के लंबे समय तक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रहे पूर्व सांसद डा. चंद्रपाल सिंह यादव द्वारा स्वयं के खर्च से गढ़मऊ रोड पर किया जाएगा। इसका प्लान तैयार किया जाने लगा है।

निकाय चुनाव को लेकर सपा ने बढ़ाई सक्रियता

समाजवादी पार्टी ने नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी नेताओं को निर्देश दिया गया है कि नाम कटवाने व जोड़वाने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है। ऐसे में अपने-अपने क्षेत्र में मतदाता सूची चेक कर लें। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सभी विधायकों, पूर्व विधायकों, निवर्तमान जिलाध्यक्षों, महानगर अध्यक्षों सहित नेताओं को रविवार को निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि मतदाता सूची में नाम जोड़वाने, कटवाने, संशोधित कराने के लिए 20 सितंबर से 20 अक्टूबर तक बीएलओ घर-घर जा रहे हैं। ऐसे में अपने-अपने क्षेत्र की सूची चेक कर लें। यदि मतदाताओं का नाम कटा है अथवा गलत है तो तत्काल उसे दुरुस्त कराएं। उन्होंने सभी नेताओं को निर्देश दिया है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरी तत्परता बरतें। मतदाताओं से जुड़े रहें। मतदाताओं को समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में हुए कार्यों की जानकारी दें। साथ ही यह भी बताएं कि भाजपा सरकार ने किस तरह से देश व प्रदेश में जनता के हितों की अनदेखी की है।

मुलायम सिंह ने बुंदेलखंड को कई सौगातें दीं

समाजवादी पार्टी के प्रदेश के मजबूत गढ़ों में में बुंदेलखंड भी एक है। शुरुआत से ही मुलायम सिंह ने बुंदेलखंड से लगाव रहा है। झांसी समेत बुंलेदखंड के सातों जिलों में उनका खूब आना जाना रहा है। 1989 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने पर मुलायम सिंह ने बुंदेलखंड विकास निधि की शुरुआत की थी। तब उन्होंने 5 करोड़ का बजट दिया था। दूसरी बार सीएम बनने पर 25 करोड़ और तीसरी बार सत्ता मिलने पर निधि का बजट बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए कर दिया था। अब यह निधि बढ़कर 200 करोड़ पर पहुंच गई है। इसके अलावा भी उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कई योजनाओं की सौगात दी थी।

जल्द म्यूजियम बनकर तैयार होगा

पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव ने बताया कि मुलायम सिंह यादव ने हमेशा बुंदेलखंड के विकास को प्राथमिकता पर रखा। क्षेत्र के विकास की उन्होंने कई सौगातें दीं। इसी के चलते उनकी स्मृति में यहां म्यूजियम बनाया जाएगा। इसके लिए योजना तैयार हो रही है। जल्द ही म्यूजियम बनकर तैयार हो जाएगा।

लोक सभा चुनाव : बूथों को साधने के साथ जातीय गोटियां बिछाने में जुटी भाजपा

» प्रदेश की सभी अस्सी लोक सभा सीटों पर है नजर

» कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारियों को किया गया सक्रिय

» प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने संभाल रखी है कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा ने अब लोक सभा चुनाव के लिए कमर कस ली है। 2024 में होने वाले आम चुनाव में प्रदेश नेतृत्व यूपी की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करने का खाका तैयार कर रही है। इसके लिए उसने न केवल बूथों को मजबूत करने पर फोकस कर दिया है बल्कि जाति-धर्म के आधार पर भी वोटरों को साधने में जुट गयी है।

भाजपा लोक सभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का दावा कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हों या उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, सभी 80 सीटें जीतने का दावा कर चुके हैं। इसके लिए भाजपा ने तैयारी भी शुरू कर दी है। विधान सभा चुनाव के बाद भाजपा ने बूथ स्तर पर परिणामों की समीक्षा की तो पता चला कि प्रदेश के करीब पौने दो लाख बूथों में से एक लाख बूथ ऐसे हैं, जिन पर भाजपा की अच्छी पकड़ है। मतलब ये बूथ अब भाजपा के मजबूत स्तंभ की तरह हो गए हैं। इसके अलावा 75 हजार बूथ ऐसे हैं, जहां स्थिति थोड़ी खराब है। इनमें भी 40 हजार बूथ अल्पसंख्यक बहुल हैं। इसके अलावा 35 हजार बूथ ऐसे हैं, जहां अन्य पार्टियों के साथ भाजपा की टक्कर बराबरी की है। भाजपा ने पहले इन 35 हजार बूथों को पूरी तरह से अपने पाले में करने की योजना बनाई है। जिन 40 हजार बूथों से उन्हें वोट कम ही मिलते हैं, वहां सेंधमारी बढ़ाने की राजनीति तैयार की है। पार्टी ने 2019 और फिर 2022 चुनाव के नतीजों के बाद जो समीक्षा की गई है, उसके अनुसार भाजपा को यादव, जाटव, मुस्लिम वोटर्स के बीच पकड़ बनाने की जरूरत है। इसके लिए भाजपा ने अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। यादव वोटर्स को जोड़ने के लिए समाजवादी पार्टी के संरक्षक रहे मुलायम सिंह यादव के नाम का भी सहारा लिया जाएगा। मुलायम सिंह यादव ने 2019 लोक सभा के सत्र के आखिरी दिन संसद में एक बड़ा बयान दिया था। जिसमें उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप फिर से प्रधानमंत्री बनें। मुलायम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बयान का जिक्र भी किया था। इसके अलावा भाजपा अपर्णा यादव के जरिए भी यादव वोटर अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी। जाटव वोटर्स को साधने के लिए भाजपा ने बेबी रानी मौर्या को आगे किया है। बेबी रानी मौर्या जाटव समाज से आती हैं। यही कारण है कि विधान सभा चुनाव से ठीक पहले उन्हें उत्तराखंड के राज्यपाल पद से हटाकर वापस बुला लिया गया था। अब वह यूपी सरकार में मंत्री भी हैं।

पिछड़े मुस्लिमों को रिझाने की तैयारी

मुस्लिम वोटर्स की बात करें तो भाजपा का सबसे ज्यादा फोकस पिछड़े मुस्लिमों पर है। इनमें पसमांदा मुस्लिम शामिल हैं। इनकी संख्या यूपी में सबसे अधिक है। भाजपा का दावा है कि सरकार की योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ भी इन्हीं पसमांदा मुसलमानों को मिला है। ऐसे में पार्टी ने इन वोटर्स को अपनी ओर करने की जिम्मेदारी दानिश आजाद अंसारी को सौंपी है। दानिश पसमांदा मुसलमान हैं और लंबे समय से भाजपा से जुड़े हैं।

रिपोर्ट कार्ड के आधार पर मिलेगा टिकट

मिशन 2024 के तहत भाजपा ने काम करना शुरू कर दिया है। सभी 80 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पार्टी ने सर्वे कराना शुरू किया है। इस सर्वे के जरिए पार्टी इन क्षेत्रों के भाजपा नेताओं की जानकारी जुटा रही है। इसके साथ क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं, मुद्दों को लेकर भी लोगों से जानकारी हासिल कर रही है। इसमें भाजपा सांसदों का रिपोर्ट कार्ड भी तैयार हो रहा है। इसी आधार पर 2024 लोक सभा चुनाव में टिकट वितरण का काम भी होगा।

हारी सीटों पर भी फोकस

2014 और 2019 में भाजपा को जिन-जिन सीटों पर हार मिली थी, उन सीटों की समीक्षा की गई है। इन सीटों पर विपक्ष की जीत की वजह जातीय और धार्मिक फैक्टर के साथ विपक्ष का चेहरा भी वजह रहा था। इस बार अभी से उन सभी सीटों पर भाजपा फोकस कर रही है। आने वाले समय में जातीय, धार्मिक समीकरण भी साधे जाएंगे। इन सीटों पर केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्रियों का दौरा ज्यादा से ज्यादा होगा। स्थानीय लोगों की हर समस्याओं का निस्तारण होगा और उन्हें सरकार के कामकाज की जानकारी दी जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

डेंगू का प्रकोप और लचर व्यवस्था

राजधानी लखनऊ में एक बार फिर डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अस्पताल में आने वाले बुखार के मरीजों में करीब चालीस फीसदी डेंगू की चपेट में हैं। वहीं न तो डेंगू से बचाव के लिए कहीं दवा का छिड़काव किया जा रहा है न ही फॉगिंग ही की जा रही है। इसके कारण हालात और भी गंभीर होते जा रहे हैं। सवाल यह है कि हर साल डेंगू के प्रकोप के बावजूद नगर निगम इससे बचाव के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाता है?

राजधानी लखनऊ में एक बार फिर डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अस्पताल में आने वाले बुखार के मरीजों में करीब चालीस फीसदी डेंगू की चपेट में हैं। वहीं न तो डेंगू से बचाव के लिए कहीं दवा का छिड़काव किया जा रहा है न ही फॉगिंग ही की जा रही है। इसके कारण हालात और भी गंभीर होते जा रहे हैं। सवाल यह है कि हर साल डेंगू के प्रकोप के बावजूद नगर निगम इससे बचाव के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाता है? दवा का छिड़काव और फॉगिंग क्यों नहीं की जा रही है? डेंगू के इलाकों को चिन्हित करने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने के प्रति लापरवाही क्यों बरती जा रही है? रोग नियंत्रण को जारी बजट आखिर कहां खर्च किया जा रहा है? स्वास्थ्य विभाग भी समय रहते डेंगू के इलाज की पुख्ता व्यवस्था क्यों नहीं कर पा रहा है? क्या लोगों की सेहत की सुरक्षा करना सरकार का दायित्व नहीं है?

हर साल बारिश के मौसम के साथ ही डेंगू का प्रकोप फैलता है। डेंगू का वाहक एडीज मच्छर दिन में काटता है। इसमें तेज बुखार आता है और रोगी की प्लेटलेट्स तेजी से गिरने लगती है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर रोगी की मौत भी हो सकती है। लखनऊ में पिछले साल कई लोगों की मौत डेंगू की चपेट में आने से हो चुकी है। बावजूद इसके सरकारी तंत्र समय रहते इसके नियंत्रण के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए। मसलन, न तो डेंगू के इलाकों को चिन्हित किया गया और न ही मच्छरों के लार्वा को मारने के लिए अभियान चलाकर दवा का छिड़काव किया गया। यही नहीं नगर निगम की ओर से मच्छरों को मारने के लिए व्यापक स्तर पर फॉगिंग तक नहीं करायी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग भी जिन स्थानों या संस्थाओं में डेंगू के लार्वा मिले हैं उनके खिलाफ नोटिस जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेता है। अधिकांश अस्पतालों में डेंगू मरीजों के लिए इलाज की पर्याप्त व्यवस्था तक नहीं की गयी है। इसके कारण मरीजों के परिजन इलाज के लिए परेशान हो रहे हैं। पुराने लखनऊ की हालत और भी खराब है। यहां डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह स्थिति तब है जब सरकार ने मच्छरजनित बीमारियों से निपटने का आदेश जारी कर रखा है। साथ ही इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। यदि सरकार डेंगू पर नियंत्रण करना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी। इसके अलावा डेंगू जैसी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सतत जागरूकता अभियान भी चलाना होगा अन्यथा स्थितियां खतरनाक हो सकती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जलवायु परिवर्तन का पानी व मिट्टी पर खतरा

ज्ञानेंद्र रावत

जलवायु परिवर्तन के खतरे भीषण चुनौती बन चुके हैं। हालात और शोध इस बात के सबूत हैं कि एक ओर धरती का तापमान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ दुनिया के विभिन्न इलाके पानी के संकट से जूझ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन से समुद्री जलस्तर बढ़ने से कई द्वीपों और तटीय महानगरों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। सूखी और जमी मिट्टी के ढीली होने के चलते तेजी से बिखरने, सूखने, जलापूर्ति कम होने, मिट्टी में कार्बन सोखने की क्षमता कम होते जाने खारापन बढ़ने, बेमौसम बारिश की अधिकता के कारण बाढ़ आने, शुष्क भूमि पर निर्भर लोगों के लिए भोजन का संकट बढ़ने जैसी भीषण समस्याएं पैदा हो गयी हैं। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार इससे सूखे जैसे हालात समूची दुनिया के लिए आम हो जायेंगे। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने भविष्य के मौसम के मॉडल सिमुलेशन के निष्कर्षों के बजाय 160 से अधिक देशों के 43,000 वर्षा स्टेशनों और 5,300 नदी निगरानी स्थलों के असली आंकड़ों के विश्लेषण के बाद पाया कि जलवायु परिवर्तन के चलते वैश्विक जलापूर्ति पर संकट मंडराने लगा है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरेस का कहना है कि असलियत में अभी भी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य पहुंच से बाहर हैं। यही वह अहम कारण है कि जलवायु आपदा टालने में विश्व पिछड़ रहा है। वैश्विक जलापूर्ति में कमी के बारे में अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि गर्म हवा में अधिक नमी संग्रहित होती है। जलवायु मॉडल की भी यही मान्यता थी इसलिए हमें बारिश के बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन हमें यह उम्मीद कतई नहीं थी कि दुनिया में बहुत जगहों पर अधिक बारिश के बावजूद नदियां सूख रही हैं। इसका अहम कारण जलग्रहण क्षेत्र में मिट्टी का सूखना रहा है। सबसे अहम बात यह रही कि यदि मिट्टी नम होती तो अतिरिक्त बारिश का पानी नदियों में बहकर चला जाता। चूंकि वे बारिश का पानी ज्यादातर मात्रा में सोख लेती हैं इसलिए वे अभी भी सूखी हैं। यही वजह है कि कम पानी बह पाता है।

हमारी नदियों में कम पानी का मतलब होता है कि शहरों और खेतों में कम पानी की उपलब्धता। सूखी मिट्टी का सीधा मतलब है कि किसानों के लिए पानी की अधिक मांग। विडंबना कहें या दुखद बात कि आजकल इस स्वरूप की दुनियाभर में तेजी से पुनरावृत्ति हो रही है जो भयावह खतरे का संकेत है। गौरतलब है कि

धरती पर पड़ने वाली बारिश की 100 बूंदों में से केवल 35-36 बूंदें ही हमारी नदियों, झीलों, तालाबों जैसे जल स्रोतों में ही जा पाती हैं। यह पानी ही हमारी जरूरतों की पूर्ति करता है, जिसे ब्लू वाटर कहा जाता है तथा बारिश के शेष पानी, जो मिट्टी द्वारा सोख लिया जाता है, उसे ग्रीन वाटर कहा जाता है। धरती का ताप बढ़ने से मिट्टी ज्यादा पानी सोख लेती है। नतीजतन जलस्रोतों में पानी की कमी हो जायेगी और हमें जल संकट का सामना करना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन के कारण भूमि का क्षरण 10 से 20 गुणा तक बढ़ गया है, जो भूमि निर्माण की तुलना में सौ गुणा से भी ज्यादा है। आंकड़ों की मानें, तो 1961 से 2013 के बीच दुनिया में शुष्क जमीन की दर एक फीसदी से भी ज्यादा बढ़ी है। आगामी दिनों में इसमें बढ़ोतरी की आशंका है। भारत में गंगा बेसिन सर्वाधिक संवेदनशील इलाका है। पाकिस्तान में सिंधु बेसिन, चीन में येलो रिवर व चिन युंग के मैदानी इलाकों से हरियाली गायब हो चुकी है। अमेरिका में यह आंकड़ा 60 फीसदी, यूनान, इटली, पुर्तगाल और फ्रांस में 16 से 62 फीसदी, उत्तरी भूमध्यसागरीय देशों में 33.8 फीसदी, स्पेन में 69 फीसदी, साइप्रस में यह खतरा 66 फीसदी जमीन पर मंडरा रहा है, जबकि अफ्रीका के 54 में से 46 देश बुरी तरह इसकी जद में हैं। हमारे देश की करीब 69 फीसदी शुष्क भूमि बंजर होने का सामना कर रही है।

दुनिया के 52 से 75 फीसदी देश भूमि क्षरण की मार झेल रहे हैं और इससे 50 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हैं। सदी के अंत तक इसके बढ़ कर दोगुना से भी ज्यादा होने का अनुमान है। उस स्थिति में जलापूर्ति के संकट की भयावहता की आशंका से ही दिल दहल उठता है।

इस बारे में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरेस का कहना है कि यदि सदी के अंत तक धरती के तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी हुई तो दुनिया के 115.2 करोड़ लोगों के लिए जल, जंगल, जमीन और भोजन का संकट पैदा हो जायेगा। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे तो भी 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह खतरा बरकरार रहेगा। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और हमें तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। इसके बिना बदलाव की उम्मीद बेमतलब है।

नयी ब्रिटिश सरकार व भारत से संबंध

अनुरंजन झा

ब्रिटेन में काफी समय से राजनीतिक उठापटक का दौर जारी है और इससे ब्रिटिश विदेश नीति भी प्रभावित हो रही है। ब्रेक्जिट के बाद से अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में जुटे ब्रिटेन की राजनीतिक व आर्थिक चुनौतियों को इच्छाशक्ति और सही सोच से निपटा जा सकता है। अभी ब्रिटेन में इसकी कमी देखी जा रही है। नयी सरकार के गठन के महज 38 दिन बाद वित्त मंत्री को बर्खास्त कर दिया गया है। प्रधानमंत्री लिज ट्रस से पत्रकारों ने पूछा कि अगर उन्हें अपने ही पसंद के वित्त मंत्री को टैक्स कटौती के मामले में हटाना पड़ रहा है तो वे अपने को इस पद के लिए कितना उपयुक्त मानती हैं। जवाब में ट्रस ने ब्रिटिश जनता को महंगाई से उबारने और बेहतर ब्रिटेन बनाने की बात की। समस्या सिर्फ वित्त मंत्रालय तक सीमित नहीं है। लिज की दूसरी पसंदीदा मंत्री मौजूदा गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन के बयानों ने भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते पर संकट खड़ा कर दिया है।

ब्रेवरमैन भारतीय मूल की हैं लेकिन वह साफ तौर पर भारत के विरोध में खड़ी दिखीं। उन्होंने कहा, 'मुझे भारत के साथ खुली सीमा की नीति को लेकर चिंताएं हैं क्योंकि मुझे लगता है कि लोगों ने जब ब्रेक्जिट को चुना था तब इसलिए वोट नहीं किया था।' सुएला ने यह भी कहा कि वीजा समाप्त होने के बाद ब्रिटेन में सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी ही रहते हैं। ब्रिटेन में भारत के उच्चायोग ने इस दावे पर तुरंत आपत्ति व्यक्त की और इसे बेबुनियाद बताया। जनवरी, 2022 में दोनों देशों के बीच दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरु हुई थी, पर इसकी बुनियाद 2021 में लिज ट्रस ने ही रखी थी, जब वे बतौर अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री भारत आयी थीं। बतौर विदेश मंत्री भी ट्रस ने कहा था कि वे समझौते को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। इसी साल भारत आये तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने भी कहा था कि वे मुक्त व्यापार समझौते को लेकर प्रतिबद्ध हैं और उम्मीद जतायी थी कि दीपावली तक इस पर हस्ताक्षर हो जायेंगे। जब ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों के बीच प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनने की होड़ थी तब भी लिज ट्रस ने जोर देकर कहा था कि दीपावली तक समझौता हो जायेगा। इस समझौते से 2035 तक दोनों देशों के बीच सालाना कारोबार 28 अरब पाउंड तक बढ़ जायेगा। 2021 में दोनों देशों के बीच 24 अरब पाउंड का कारोबार हुआ था। ये जानना इसलिए जरूरी था क्योंकि अब लिज ट्रस भारतवंशी ऋषि सुनक को मात देकर प्रधानमंत्री हैं और जिस गृह मंत्री ने लिज के लिए अपने बयानों से मुश्किलें पैदा की हैं, वह खुद भारतीय मूल की हैं। ब्रेवरमैन का बयान प्रधानमंत्री ट्रस के रुख से बिल्कुल अलग है। निश्चित ही इस समझौते से दोनों देशों को फायदा होगा लेकिन यह भी कड़वा सच है कि अभी इस समझौते की ब्रिटेन को ज्यादा जरूरत है और भारत बेहतर स्थिति में है।

ब्रिटेन में महंगाई पिछले चार दशक में सबसे ज्यादा है और रूस-यूक्रेन युद्ध के दुष्परिणामों का असर यूरोप के अन्य देशों के साथ-साथ ब्रिटेन पर भी पड़ रहा है। दूसरी ओर भारत के पास इस समय व्यापार भागीदारों की कोई कमी नहीं है। इसी साल भारत ने संयुक्त अरब अमीरात व ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते किये है। भारत ने यूरोपीय संघ के साथ भी कारोबारी मझौते के लिए बातचीत शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री लिज ट्रस के पास फिलहाल राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है क्योंकि कड़े फैसले के लिए सरकार के पास जो क्षमता होनी चाहिए वह इस समय उनके पास नहीं है। ब्रिटिश गृहमंत्री के बयान को ठीक से समझें और उनके बयान को ब्रिटेन और सरकार का आधिकारिक बयान मानें, तो इसका मतलब साफ है कि भारतीय पेशेवरों के ब्रिटेन पहुंचने में कोई खास सुविधा नहीं मिलने वाली है। अगर भारतीय पेशेवरों को लाभ नहीं मिलता, तो भारत के लिए इस व्यापार समझौते का कोई मतलब नहीं रहता। वैसे भी सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के एक बड़े धड़े के लिए प्रवासियों का मुद्दा बड़ा राजनीतिक मुद्दा है और इस पर पार्टी के अंदर कोई आम सहमति नहीं बन पायी है। प्रधानमंत्री ट्रस का नेतृत्व इतना सशक्त नहीं है कि वह कोई आम सहमति बना सके। लेबर मोबिलिटी अगर व्यापार समझौते का हिस्सा नहीं बनती है, तो भारत के लिए इस पूरे समझौते का कोई अर्थ नहीं रह जायेगा। भारत चाहता है कि भारतीयों के पास ब्रिटेन में काम करने और वहां रहने के अधिक से अधिक अवसर हों। ब्रिटेन के साथ किसी भी तरह के कारोबारी समझौते में भारत की प्राथमिकता भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए वीजा नियमों में राहत हासिल करना ही है। उधर भारत के साथ कारोबारी समझौता करना ब्रिटेन सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी नीतियों में से एक है।

भारत 2050 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। जीडीपी के मामले में भारत हाल में ब्रिटेन से आगे निकल गया है इसलिए ब्रिटेन भारत के साथ व्यापार समझौते को सुनहरे मौके के रूप में देखता है। ब्रिटेन चाहता है कि भारत ब्रिटेन से व्हिस्की जैसे उत्पादों की खरीद बढ़ाए। ब्रिटेन को उम्मीद है कि अगर समझौता होता है तो भारत ब्रिटेन की ग्रीन टेक्नोलॉजी और ब्रितानी सेवाओं का बड़ा खरीदार बनेगा। बैंकिंग और कानूनी सेवा के क्षेत्र में भी ब्रिटेन को बहुत उम्मीदें हैं, लेकिन इन सबके भविष्य पर फिलहाल सुएला ब्रेवरमैन के बयानों का साया है। भले ही यह समझौता दीपावली तक नहीं होता दिख रहा है, लेकिन नवंबर में पीएम मोदी की संभावित ब्रिटेन यात्रा के वक्त इसे अमली जामा पहनाया जा सकता है।

दिल्ली बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में इसके मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है

डेंगू

इनका करें सेवन बढ़ेगी प्लेटलेट्स

देश में एक बार फिर से डेंगू पैर पसार है। दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में इसके मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। डेंगू के ज्यादातर मामले हर साल सितंबर और अक्टूबर में सामने आते हैं। डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के मामले सामान्यतः मानसून का मौसम जाने के बाद ज्यादा दिखाई देते हैं। डेंगू स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर बीमारी है जो एडीस एजिप्टी नामक प्रजाति के मच्छरों से फैलता है. इस बीमारी के कारण हर साल कई लोगों की मौत हो जाती है.डेंगू का बुखार एक वायरस के कारण होता है जो मच्छरों से फैलता है। डेंगू में शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इसलिए बेहद जरूरी है कि बुखार के दौरान और इसके बाद स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। एक खबर के अनुसार इस बीमारी को रोकने के लिए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत हो। इसके लिए मौसमी खाद्य पदार्थ खाने चाहिए जिससे शरीर को पोषण तत्व मिलते रहें। डेंगू में सबसे ज्यादा नुकसान हमारी प्लेटलेट्स को पहुंचता है इसलिए जरूरी है कि समय समय पर निगरानी की जानी चाहिए।

प्रोबायोटिक्स

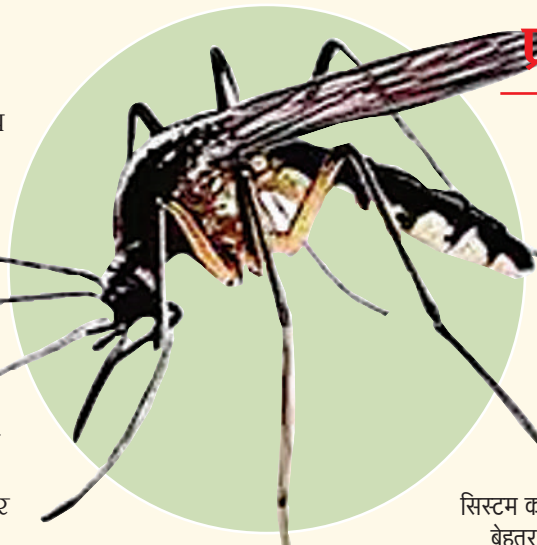

डेंगू के बाद शरीर को पुरानी वाली स्थिति में लाने के लिए आहार में प्रोबायोटिक्स शामिल करना चाहिए। इसके लिए दही, छाछ, पनीर केफिर, कोम्बुचा और सोयाबीन का विकल्प चुनें। प्रोबायोटिक्स अच्छे बैक्टीरिया से भरे होते हैं जो हमारे पाचन तंत्र पर कार्य करते हैं और इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाते हैं।

तरल पदार्थ का सेवन करना

डेंगू की अवस्था में तरल पदार्थ पीना हमारे शरीर के लिए काफी लाभदायक होगा। गर्म काढ़े, हर्बल चाय, शोरबा और सूप का सेवन करना चाहिए। इन पदार्थों के साथ-साथ ठंडे तरल पदार्थ जैसे नींबू पानी, छाछ या लस्सी, नारियल पानी आदि प्लेटलेट्स काउंट में काफी सुधार लाते हैं। इसलिए बीच बीच में इनका भी सेवन करना चाहिए। ये सभी पदार्थ हमारे सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करते हैं और एक मजबूत रक्षा प्रणाली का निर्माण करते हैं। कई बार लोग प्लेटलेट्स को बढ़ाने के लिए पपीते के पत्ते का रस पीते हैं लेकिन इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि यह कारगर है।

फल का सेवन करें

फल स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी हैं इसलिए हम बीमार हो या नहीं इनका सेवन बंद नहीं करना चाहिए। जामुन, नाशपाती, बेर, चेरी, आड़ू, पपीता, सेब और अनार जैसे मौसमी फल जोड़ने से विटामिन ए, विटामिन सी, एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर की कमी पूरी होती है। ये फल पाचन क्रिया में सुधार लाते हैं।

हरी सब्जियां

सभी हेल्थ एक्सपर्ट अच्छे स्वास्थ्य के लिए भरपूर मात्रा में हरी सब्जियों का सेवन करने की सलाह देते हैं। हमें अपने नियमित आहार में हरी सब्जियों का सेवन करना चाहिए। इससे हमारी आंत के स्वास्थ्य को और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा मिलता है। हरी सब्जियों में विभिन्न विटामिन जैसे विटामिन ए, सी के साथ-साथ जिंक, मैग्नीशियम आदि खनिज अच्छे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं और प्रतिरक्षा प्रदान करते हैं।

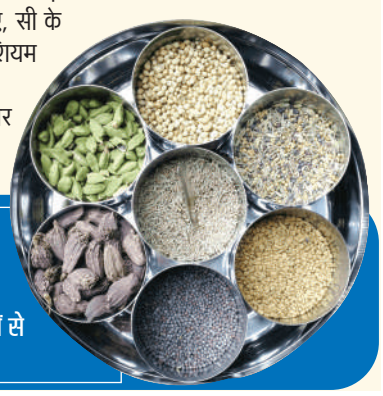

मसाले

हमारे किचन में मौजूद कुछ मसाले भी हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी लाभवर्द्धक होते हैं। हल्दी, अदरक, लहसुन, काली मिर्च, दालचीनी, इलायची, और जायफल जैसे मसालों हजारों साल से एंटीफंगल, एंटीवायरल, एंटीमाइक्रोबायल, एंटी-बैक्टीरिया और प्रतिरक्षा-बढ़ाने के तौर पर प्रयोग किए जा रहे हैं। इन मसालों से तैयार भोजन हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

कहानी — आपकी क्रियाओं का प्रभाव

एक दिन अकबर अपने दोस्तों के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। और उनके आस-पास पूरे देश के समझदार, अच्छे और सृजनात्मक व्यक्ति थे। वे कह रहे थे कि अकबर ने बीरबल को थप्पड़ मारा, बिना किसी कारण के। लेकिन बादशाह को तो कोई थप्पड़ नहीं मार सकता, लेकिन वह थप्पड़ कहां गया? तभी बीरबल ने अपने साथ खड़े व्यक्ति को थप्पड़ मारा। सबने सोचा, यह तो अजीब है। अब जिस व्यक्ति को थप्पड़ लगा उसने अनोखा उत्तर दिया, उसने पूछने की बजाय अपने साथ खड़े व्यक्ति को थप्पड़ मारा। और उस व्यक्ति ने सोचा शायद यह दरबार का चलन है तो उसने अगले व्यक्ति को थप्पड़ मारा। इस तरह थप्पड़ पूरे दरबार में फैल गया। उसी रात, अकबर की पत्नी ने उन्हें थप्पड़ मारा। तब उन्होंने पूछा आपने मुझे क्यों मारा ? वह बोली, यह क्या प्रश्न है? यह तो एक खेल है। अकबर बोले, तुम्हें किसने कहा यह एक खेल है ? वह बोली, हमने पूरा दिन सुना कि आपके दरबार में एक अनोखा खेल शुरू हुआ है। जिसका नियम यह है कि जो आपको मारे, आप उसे वापिस नहीं मार सकते, आपको किसी और को ढूंढना पड़ता है। और किसी ने मुझे थप्पड़ मारा। इसलिए आपका थप्पड़ आपके पास वापिस आ गया। अब खेल पूरा हुआ।

इस कहानी से शिक्षा: हर तरह के चाल-ढाल और काम की अनचाही शुरुआत होती है। इस संसार में हजारों खेल चल रहे हैं जिसके हम सब भागीदार हैं। थप्पड़ (या फिर कोई अच्छा परिणाम) आप तक देर-सवेर पहुंच ही जाता है। वह कहां जायेगा? अच्छे कार्य आपको इनाम दिलाते हैं जबकि आपके बुरे विचार या कार्य आपको सजा भी दिलाते हैं। शायद हम भूल जाते हैं हमने कब शुरुआत की? संसार बड़ा है, आप तक लौटने में समय लगता है। लेकिन हर चीज अपने स्रोत तक वापिस आ जाती है- यह जीवन के मूल नियमों में से एक है।

हंसना मना है

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो।

Offline रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है Online होते ही धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए होने लगती है। **आम भारतीय नागरिक।**

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हँसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

लड़का: ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्युंकि मैं एक शेर कि औलाद हूं। लड़की : अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी। सोलिड वाली बेईज्जती.....।

5 अंतर खोजें

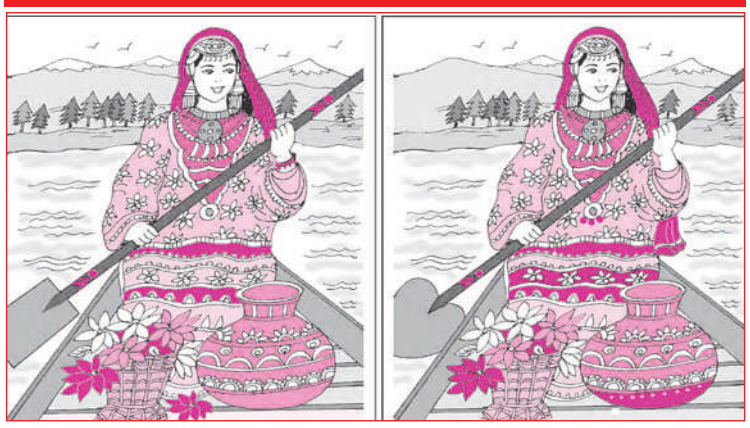

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कार्यस्थल पर नवीन समीकरणों के चलते आप पूरे समय व्यस्त रहेंगे। कुछ रुकी हुई परियोजनाएं अब प्रगति करेंगी। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिल सकता है तथा इच्छित स्थान पर स्थानांतरण भी संभव है।

वृषभ — आज आपकी नये कार्यों में रूचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी अधिक मजबूत होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन — आपकी मां की स्वास्थ्य स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चों का स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है, परंतु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

कर्क — आप खुश और हंसमुख रहेंगे। आपके पास कई नए अवसर होंगे। आपका करियर और आपकी वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा। प्रेमियों के लिए सुखद समय रहेगा।

सिंह — आज किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इस राशि के स्टूडेंट्स अपने पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं,जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकती है।

कन्या — आज मित्र के साथ कहीं घुमने जाने का अवसर आपको मिलेगा। जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें। कठिनाइयां समाप्त होंगी और रुके हुए कार्य गतिशील होंगे।

तुला — आज परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। आपको अचानक धन लाभ होगा।

वृश्चिक — आज जीवनसाथी के साथ संबंधों में सुधार होगा। बचत योजनाओं में निवेश करने के लिए यह एक अच्छा समय है। छोटी-मोटी बातों को लेकर विवाद टालें। पति-पत्नि के बीच अच्छा तालमेल रहेगा।

धनु — आज आपको विभिन्न स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इस समय शांत और सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण है। टकराव से बचें। उचित विचार के बाद वित्तीय निर्णय लें। छात्र सफलता प्राप्त करेंगे।

मकर — बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है,जिससे आपकी खुशियों में इजाफा होगा।

कुम्भ — आज आपकी आमदनी के स्रोतों में इजाफा होता नजर आ रहा है। मामलों को सुलझाने की कोशिश में योजनाओं और मनोभावों में बदलाव आ सकता है।

मीन — आज हर किसी से प्रेम भाव से बातचीत करने की आवश्यकता है। माँ के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती हैं। मित्रों के साथ यात्रा पर जाना हो सकता है। आपके परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा।

जान्हवी के सपोर्ट में आए पापा बोनी कपूर, बोले

बेटी को श्रीदेवी से कम्पेयर मत करो

जान्हवी कपूर इन दिनों हाई टाइड पर हैं। एक्ट्रेस का करियर उड़ान भर रहा है। गुंजन सक्सेना, गुड लक जेरी के बाद अब जान्हवी मिली फिल्म से दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाने आ रही हैं। मिली का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे ऑडियन्स से काफी अच्छा रिस्पॉन्स भी मिला है। वहीं जान्हवी ट्रोल्स का भी शिकार हो गईं। सोशल मीडिया यूजर्स ने जान्हवी को उनकी मां दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी से कम्पेयर कर डाला। लेकिन ये बात जान्हवी के पापा को रास नहीं आई। जान्हवी इन दिनों अपनी फिल्म्स को लेकर काफी अलर्ट हो गई हैं। उनकी झोली में भले ही एक फिल्म हो लेकिन एक्ट्रेस चाहती हैं कि वो बेस्ट फिल्म करें। लेकिन जब से जान्हवी ने इंडस्ट्री में कदम रखा है, तब से उन्हें मम्मी श्रीदेवी से कम्पेयर किया जा रहा है। श्रीदेवी बॉलीवुड की पहली लेडी सुपरस्टार मानी जाती रही हैं। जान्हवी की हर फिल्म को श्रीदेवी से जोड़कर देखा जाता रहा है। वही हाल फिल्म मिली के साथ भी हुआ। ऐसे में बेटी को परेशान होते पापा बोनी कपूर कैसे देख सकते थे। तो उन्होंने ट्रोल्स को खरी-खरी सुना दी। एक इंटरव्यू के दौरान बोनी कपूर ने कह दिया कि मेरी बेटी को श्रीदेवी से कम्पेयर मत करो। मिली फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बोनी कपूर ने कहा- हर किसी की अपनी जर्नी होती है। हर किसी का अपना एक अलग तरीका होता है। अपने कैरेक्टर को समझने का और उसका पार्ट बनने का। ये श्रीदेवी की सबसे बड़ी यूएसपी थी। जान्हवी भी कैरेक्टर को उठाती है, बजाए इसके की वो कैरेक्टर में डूब जाए। बोनी ने आगे कहा- मेरी बेबी ने अभी ही अपने काम और सफर को शुरू किया है। उसे किसी भी तरह से श्रीदेवी के किसी भी काम से कम्पेयर नहीं किया जाना चाहिए। बोनी ने अपनी दिवंगत पत्नी की सराहना करते हुए कहा- उनकी अपनी जर्नी थी, जो कि बेहद शानदार थी। उन्होंने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम करना शुरू किया

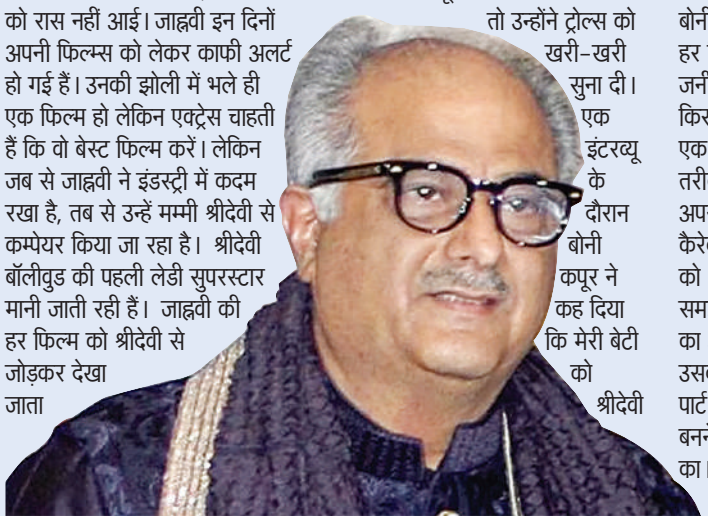

बॉलीवुड | मसाला

बॉक्स ऑफिस पर गर्दा मचा रही कांतारा

डॉक्टर जी और पीएस-1 को दे रही कड़ी टक्कर

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों बहुत सी फिल्में लगी हुई हैं। 14 अक्टूबर को आयुष्मान खुराना की डॉक्टर जी और परिणीति चोपड़ा की कोड नेम तिरंगा रिलीज हुई थी। इसके पहले ऋतिक-सैफ की विक्रम वेधा, ऐश्वर्या राय बच्चन स्टारर पोन्नियिन सेल्वन और चिरंजीवी की गॉडफादर रिलीज हुई थी, जिसका कमाल बॉक्स ऑफिस पर अभी तक जारी है। साउथ में पीएस 1 और गॉडफादर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। इन फिल्मों के कॉम्पटीशन के बीच ही कांतारा फिल्म रिलीज हुई, जिसने अभी तक छप्पर फाड़ कमाई कर ली है। कांतारा ने ग्लोबली 100 करोड़ की कमाई कर ली है। यह फिल्म बीते 30 सितंबर को रिलीज हुई थी। महज 16 करोड़ के बजट से बनी फिल्म कांतारा साउथ साइड बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई रही है। लेकिन फिल्म की सक्सेस सिर्फ वहीं तक नहीं रुकी है, कांतारा हिंदी बेल्ट में भी अच्छा रिस्पांस दे रही है। फिल्म को ओरिजनली कन्नड़ भाषा रिलीज किया गया था, जिसकी सक्सेस को देखते हुए इसे हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज की गई है। इसके अलावा आयुष्मान की एक फिल्म और आने वाली है। वो भी इस साल गर्दा मचाने वाली है। इसकी भी चर्चाएं जोरों पर है।

बॉलीवुड | मन की बात

सभी स्टार किड्स को नही मिलती एक जैसी अहमियत: तुषार कपूर

बॉलीवुड में इनसाइडर और आउटसाइडर को लेकर आए दिन बहस चलती रहती है और अब यह बहुत आम टॉपिक हो गया है। लोगों की स्टार किड्स को लेकर यही धारणा है कि उन्हें फिल्मों में आसानी से काम मिल जाता है। उन्हें ज्यादा स्ट्रगल किए बिना ही फिल्में मिल जाती हैं। हालांकि एक स्टार किड है, जो इन सब बातों में यकीन नहीं रखता। जी हां, तुषार कपूर का मानना है कि स्टार किड्स को लेकर लोगों की धारणा गलत है। तुषार कपूर बॉलीवुड के वेटरन एक्टर जीतेन्द्र के बेटे हैं। तुषार की बहन एकता कपूर भी इंडस्ट्री की जानी-मानी प्रोड्यूसर हैं। तुषार की मानें तो इन सबके बाद भी उन्हें स्टार किड जितनी अहमियत नहीं मिली और वे आज भी खुद को आउटसाइडर ही मानते हैं। तुषार कपूर ने कसौली में चल रहे खुशवंत सिंह लिट्रेरी फेस्टिवल में दिव्या दत्ता के साथ बातचीत के दौरान बॉलीवुड में इनसाइडर और आउटसाइडर पर छि?ी बहस को लेकर बात की। उन्होंने कहा हर स्टार किड के लिए रेड कार्पेट नहीं बिछाया जाता है, जब मैं डेब्यू फिल्म मुझे कुछ कहना है की शूटिंग कर रहा था तो मुझे अपने एक को-स्टार के लिए काफी देर इंतजार करना पड़ा था। तुषार अपनी बाद जारी रखते हुए आगे कहते हैं, दूसरी स्टार किड करीना कपूर खान के लिए भी मुझे 12-14 घंटे इंतजार करना पड़ा था क्योंकि वह तब एक साथ चार फिल्मों में काम कर रही थीं। उनकी पहली फिल्म रिलीज होने वाली थी, लेकिन करीना की डिमांड तब ऐसी थी कि उन्होंने इतनी फिल्में साइन कर ली थीं। तुषार कपूर ने पिछले साल भी इनसाइडर और आउटसाइडर मुद्दे पर अपनी राय रखी थी। उस दौरान एक्टर ने कहा था कि अपने पिता जितेंद्र की गलतियों से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है।

नाचने वालों की एनर्जी से गर्म हो जाता है सैकड़ों लीटर पानी!

दुनिया में अलग-अलग तरह के आविष्कार रोजाना होते रहते हैं। इनमें से कुछ आविष्कार तो हारी जिंदगी को आसान बनाते हैं तो कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में हम सोच भी नहीं सकते। एक ऐसा ही इनवेंशन है स्कॉटलैंड के ग्लासगो में मौजूद आर्ट्स वेन्यू। यहां सस्टेनेबल एनर्जी का ऐसा ज़बरदस्त उदाहरण पेश किया गया है कि डांस फ्लोर पर नाचने वाले लोगों के कार्बन डाइ ऑक्साइड का भी इस्तेमाल एनर्जी के तौर पर किया जाता है। ग्लासगो में मौजूद S W G 3 में डांस फ्लोर है, जहां नाचने वालों के शरीर का तापमान अगर बढ़ता है तो ये बिल्कुल बर्बाद नहीं जाता। बॉडीहीट से यहां मौजूद सैकड़ों लीटर पानी गर्म हो जाता है और डांस फ्लोर ठंडा। लोग अक्सर नाचते वक्त इतने जोश में होते हैं कि उनके शरीर से इतनी एनर्जी रिलीज़ होती है कि अगर इसे यूनिट में बदला जाए तो ये 500-600 वाट की थर्मल एनर्जी बन सकती है। इसी बॉडी हीट का इस्तेमाल इस नए इनवेंशन में किया गया है। SWG3 के डांस फ्लोर पर इस तरह का प्रयोग जल्दी ही शुरू किया गया है, जिसके ज़रिये वेन्यू को ठंडा और गर्म दोनों ही रखा जा सकता है। इसे जियोथर्मल एनर्जी स्टार्टअप TownRock Energy ने मिलकर डेवलप किया है। जब मीडियम पेस पर डांस किया जाता है तो 250 वाट की एनर्जी जनरेट होती है। TownRock Energy के संस्थापक David Townsend के मुताबिक अगर लोग डांस फ्लोर पर कूदकर डांस करते हैं तो ये एनर्जी 500-600 वाट तक पहुंच जाती है। इसे कैप्चर करके वेन्यू को ही स्थानांतरित कर दिया जाता है। इसे 500 फीट गहरे 12 बोरहोल्स में पंप किया जाता है जो एक अंडरग्राउंड रॉक क्यूब में जाता है। ये एक बैटरी की तरह एनर्जी को वेन्यू का पानी गर्म करने और हीट सप्लाई करने में लगाती है। ऐसे में वातावरण ठंडा रहता है क्योंकि डांस फ्लोर की सारी गर्मी सोखी जा चुकी होती है। वेन्यू के मैनेजिंग डायरेक्टर Andrew Fleming-Brown के मुताबिक Bodyheat में लगे 5 करोड़ 52 लाख से इनवेस्टमेंट की बात करें तो ये पारंपरिक कूलिंग सिस्टम से काफी ज्यादा है लेकिन चूंकि इससे बिजली के बिल में भी बचत हो रही है, इसलिए ये काफी अच्छा है।

अजब-गजब | समुद्र तल से 90 फीट की ऊंचाई पर बना हुआ है ये किला

तीन सौ साल से लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है इस किले में मौजूद झील का पानी

हमारे देश में प्राचीन काल के तमाम किले आज भी मौजूद है। आज हम आपको एक ऐसे ही किले के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में शायद आपने कभी सुना नहीं होगा। दरअसल, हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में के मुरुद गांव में स्थित एक किले की, जिसका नाम गांव के नाम पर रखा गया था। इस किले के नाम है मुरुद जंजीरा किला। ये किला समुद्र तल से 90 फीट की ऊंचाई पर बना हुआ है। और ये बीच समुद्र यानी अरब सागर में बना हुआ है। बता दें कि मुरुद जंजीरा किला भारत के पश्चिमी तट का एक मात्र ऐसा किला है, जो कभी भी जीता नहीं जा सका। कहते हैं कि ब्रिटिश, पुर्तगाली, मुगल, शिवाजी महाराज, कान्होजी आंग्रे, चिम्माजी अप्पा और संभाजी महाराज ने इस किले को जीतने की काफी कोशिश की थी लेकिन इनमें से कोई भी सफल नहीं हो सका। यही वजह है कि 350 साल पुराने इस किले को अजेय किला कहा जाता है।

बता दें कि मुरुद-जंजीरा किले का दरवाजा दीवारों की आड़ में बनाया गया है, जो किले से कुछ मीटर दूर जाने पर दीवारों के कारण दिखाई देना बंद हो जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यही वजह रही होगी कि दुश्मन किले के पास आने के बावजूद चकमा खा जाते थे और किले में घुस नहीं पाते थे।

बताया जाता है कि इस किले का निर्माण अहमदनगर सल्तनत के मलिक अंबर की देखरेख में 15वीं सदी में हुआ था। यह किला 40 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। कहा जाता है कि इसका निर्माण 22 साल में हुआ था। 22 एकड़ में फैले इस किले में 22 सुरक्षा चौकियां हैं। यहां सिद्दीकी शासकों की कई तोपें अभी भी रखी हुई हैं, जो हर सुरक्षा चौकी में आज भी मौजूद हैं।

ऐसा माना जाता है कि यह किला पंच पीर पंजातन शाह बाबा के संरक्षण में है। क्योंकि इस किले के अंदर शाह बाबा का मकबरा भी बना हुआ है। इस किले में मीठे पानी की एक झील है। समुद्र के खारे पानी के बीच होने के बावजूद इस झील का पानी मीटा है। यह मीठा पानी कहां से आता है, यह अभी तक रहस्य ही बना हुआ है। जिसके बारे में आजतक कोई नहीं जान पाया।

केंद्रीय जांच एजेंसी की पूछताछ पर सिसोदिया भड़के, कहा

सीबीआई ने मुझसे 'आप' छोड़ने को कहा

» ऑपरेशन लोटस को सफल बनाने के लिए किया गया फर्जी केस

» शराब घोटाले में जांच एजेंसी ने डिप्टी सीएम से की थी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आबकारी नीति बनाने और उसे लागू करने के कथित घोटोले के सिलसिले में सोमवार को पूछताछ के लिए सीबीआई द्वारा दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बुलाया गया। जहां उनसे करीब नौ घंटे तक पूछताछ हुई। सीबीआई के दफ्तर से बाहर निकलने के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा कि सारे केस फर्जी हैं, ऑपरेशन लोटस को सफल बनाने के लिए यह मामला बनाया गया। उन्होंने कहा कि आबकारी नीति में कोई

भ्रष्टाचार नहीं हुआ है।

मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे सीबीआई कार्यालय के अंदर आम आदमी पार्टी छोड़ने के लिए कहा गया था, नहीं तो मेरे खिलाफ ऐसे मामले दर्ज होते रहेंगे। मुझसे कहा गया, सत्येंद्र जैन के ऊपर कौन से सच्चे मामले हैं? मैंने कहा कि मैं आम आदमी पार्टी को भाजपा के लिए नहीं छोड़ूंगा। उधर, सीबीआई ने सिसोदिया के आरोपों का खंडन किया है। वहीं सीबीआई द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद दिल्ली की सियासत गरमा गई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने मनीष सिसोदिया की भगत सिंह से तुलना की। इस पर भगत सिंह के करीबी रिश्तेदार हरभजन सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में पकड़े गए अपराधियों की तुलना शहीदों से क्यों की जा रही है? वह इससे क्या राजनीतिक लाभ चाहते थे? आपकी जो भी लड़ाई है, उसे राजनीतिक रूप से लड़ें।

भाजपा ने साधा निशाना

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि जब से सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को हजारों करोड़ के शराब घोटाले में समन किया है, तभी से सत्ता के नशे में चूर सीएम अरविंद केजरीवाल अपने भ्रष्टाचारी डिप्टी सीएम की तुलना भगत सिंह से कर शहीद-ए-आजम का अपमान कर रहे हैं। किसी महान स्वतंत्रता सेनानी की एक शराब घोटाले के भ्रष्टाचारी से तुलना असहनीय है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि 23 साल की उम्र में भारत के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले भगत सिंह की तुलना जब मनीष सिसोदिया, जिन्होंने जनता को लूटा है उनसे की जा रही है तो ये शर्म की बात है। भगत सिंह सिद्धांत की तरफ थे न कि झूठ की तरफ।

हिमाचल चुनाव में किस्मत आजमाएगी लोक जनशक्ति पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चीफ चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी गुजरात और हिमाचल प्रदेश से चुनाव लड़ने जा रही है। हालांकि अभी पार्टी ने यह तय नहीं किया है कि इन दोनों राज्यों में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। फैसला पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया।

चिराग पासवान ने कहा कि गुजरात और हिमाचल प्रदेश में हमारी पार्टी चुनाव मैदान में उतरने जा रही है। पार्टी कितने सीटों पर लड़ेगी यह अभी तय नहीं हुआ है। सीटों का फैसला जल्द ही किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश के लिए प्रभारी कुछ ही दिन में नियुक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों बाद पार्टी उम्मीदवारों की सूची पर भी चर्चा करेगी और जारी करेगी। हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए एक ही चरण में 12 नवंबर को मतदान होगा और 8 दिसंबर को नतीजे आएंगे। चुनाव आयोग ने अभी तक गुजरात चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की है।

बहराइच के अस्पतालों में दवाओं का टोटा, मरीज परेशान

» बाहर से डिस्पोजल खरीद रहे रोगी, सुधर नहीं रहे हालात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। जिला अस्पताल समेत जिले में स्थित विभिन्न प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ सब स्वास्थ्य सेंटर में दवाओं का टोटा है। इंजेक्शन लगवाने के लिए सीएचसी और पीएचसी के चिकित्सकों की ओर से रोगियों को डिस्पोजल खरीद कर लाने को कहा जा रहा है। इससे मरीज परेशान है।

डायरिया पीड़ित, दुर्घटनाग्रस्त व अन्य प्रकार की बीमारी में रोगियों को ड्रिप चढ़ाने के लिए आरएल व एनएस भले ही अस्पताल में मिल जाए लेकिन इसके लिए बिगो और आईबी सेट बाहर से ही खरीद कर लाना पड़ रहा है। महर्षि बालार्क जिला चिकित्सालय संबद्ध महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज में दवाओं का टोटा है। जिला चिकित्सालय के बाहर रोगियों की संख्या 300 से अधिक रहती है इनमें कई ऐसे मरीज होते हैं जिनको इलाज

के लिए भर्ती करने की जरूरत होती है। डॉक्टर बेड होने की बात कहकर दवाएं देकर मरीजों को वापस कर देते हैं। न तो डिस्पोजल सिरिंज है न ही आईवी सेट और बिगो। जिले में 14 सीएससी और करीब 53 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 313 सब स्वास्थ्य सेंटर का भी यही हाल है। सीएचसी और पीएचसी पर साधारण बुखार की दवा पेरासिटामोल, फ्लुकोनाज़ोल, माइक्रोनजोल, सिट्रीजीन, बच्चों का एंटीबायोटिक सिरप आदि नहीं है। वहीं प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश गौतम का कहना है कि शासन को दवा की कमी पूरी करने के लिए मांग पत्र भेजा गया है। अनुमति मिलने पर दवाओं की खरीद कर व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

राजीव गांधी हत्याकांड की जांच के लिए बनी एमडीएमए भंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में साजिश की जांच के लिए गठित 24 साल पुरानी बहु-विषयक निगरानी एजेंसी (एमडीएमए) को भंग कर दिया है। एमडीएमए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तहत काम कर रही थी और इसमें कई केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी शामिल थे।

अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी को भंग करने का आदेश मई में जारी किया गया था और लंबित जांच को सीबीआई की एक अलग इकाई को सौंप दिया गया है। एजेंसी को 1998 में एमसी जैन आयोग की सिफारिश पर दो साल के लिए स्थापित किया गया था और इसे वार्षिक विस्तार दिया गया था, लेकिन यह कोई बड़ी सफलता हासिल करने में विफल रही। राजीव गांधी की 21 मई, 1991 को चुनावी रैली के दौरान आत्मघाती हमलावर ने हत्या कर दी थी।

गुजरात में भाजपा-कांग्रेस के बीच है मुकाबला : भूपेश बघेल

» भाजपा की बी टीम है आम आदमी पार्टी

» पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर आप पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। गुजरात विधान सभा चुनावों को लेकर सियासत गर्म हो गयी है। बयानबाजी का दौर जारी है। आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालिया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई जातिवादी टिप्पणी पर कांग्रेस भी भड़क गई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि इसे गुजरात और देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गोपाल इटालिया ने पीएम की मां के बारे में कमेंट किया। वह 100 साल की हैं और उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस इसकी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा बनाम कांग्रेस है। आप, भाजपा की बी टीम हैं। वे कांग्रेस को हराने के लिए

गुजरात, गोवा, उत्तराखंड जाते हैं। वे जो कुछ भी कहते हैं, लेकिन यही उनका लक्ष्य है। आम आदमी पार्टी नहीं है, बल्कि खास आदमी पार्टी है आप। दरअसल, गुजरात आप प्रमुख गोपाल इटालिया का एक वीडियो पिछले दिनों वायरल हुआ था। इसमें वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस वीडियो के सामने आने के बाद से भाजपा हमलावर है और उसने प्रधानमंत्री के लिए इसे जातिसूचक गाली बताया। इसके बाद इटालिया को राष्ट्रीय महिला आयोग ने तलब किया और दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था।

आम आदमी पार्टी ने दी गुजरात मॉडल को चुनौती

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुजरात चुनाव क्या शुरू हुआ, आम आदमी पार्टी की मुसीबत बढ़ गयी। सीबीआई और ईडी बुरी तरह पार्टी के नेताओं के पीछे पड़ गयी और आज मनीष सिसोदिया का जेल जाने का नंबर आ गया मगर पूछताछ खत्म नहीं हुई। यह हमला कही भारी ना पड़ जाये भाजपा पर? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, डॉ. राकेश पाठक, वंशराज प्रवक्ता आप, प्रो. लक्ष्मण यादव दिल्ली विवि और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि भाजपा ही नहीं, कांग्रेस भी जब सत्ता में रही, ईडी, सीबीआई सहित कई एजेंसियों का प्रयोग अपने-अपने हिसाब से करती रही है। एक अंतर है जब बड़ा मामला आया तो कांग्रेस की सरकारों में जिन पर आरोप लगे, त्यागपत्र हुए, उन पर मुकदमे चले। कार्रवाई सब पर हुई लेकिन अब गैर भाजपा सरकार के नेताओं पर शिकंजा कसा जा रहा है।

अजय शुक्ला ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने मॉडल प्रस्तुत किया है गुजरात मॉडल को ये चुनौती है। दोनों मॉडल झूठ पर टिके हैं। जनता देखती है सच्चाई क्या है। गुजरात में शहरी इलाकों को छोड़ दे तो ग्रामीण इलाकों में एक वक्त की रोटी खाना मुश्किल है। गुजरात की 80 फीसदी जनता खाने को मोहताज है। रोजगार ही नहीं है।

प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा अभी फिलहाल दो बड़ी केंद्रीय पार्टियां हैं, अक्सर दलों पर आरोप लगते रहे हैं। बी टीम वाले तर्क को नहीं मानता कि कोई नया प्रयोग कर रहा है। जैसे हिंदुत्व के ट्रेंड में सब नजर आ रहे हैं। खेल खेला जा रहा है। कांग्रेस पूंजीपतियों का इस्तेमाल करती थी। अब भाजपा इसका प्रयोग कर रही है। आरएसएस कभी कभी चिंता भी करता है। आम आदमी पार्टी की बात करें शिक्षा और स्वास्थ्य पर वोट मांगते हैं। वहीं भारत जोड़ो यात्रा का फायदा कांग्रेस को मिलेगा।

वंशराज ने कहा कि भाजपा के अंदर एक सॉफ्ट कार्नर है आम आदमी पार्टी को लेकर। दिल्ली में तीन बार सत्ता में है जबकि नगर निगम के चुनाव में दूर है। भाजपा ने निगम का एकीकरण कर दिया। भाजपा अपनी सोच को जनता के बीच में ला देती है। जो चुनाव से दूर है, उसको जिंदा करने की कोशिश करते हैं। नरेंद्र मोदी केजरीवाल से इतना भयभीत हैं कि कह रहे हैं कांग्रेस से सावधान रहिए ये हमें हराने का काम कर रहे हैं।

यूपीपीसीएल के चेयरमैन और एमवीवीएनएल के एमडी की अहम की भेंट चढ़ी ई-सुविधा

एमवीवीएनएल ने नोटिस देकर ई-सुविधा के साथ करार किया खत्म, 24 से नयी व्यवस्था

» ई-सुविधा केंद्रों पर मिलती थी ग्राहकों को मूलभूत सुविधाएं

चेतन गुप्ता

लखनऊ। ब्यूरोक्रेट्स की हनक और सनक का अंदाजा आप यहीं से लगा सकते हैं कि एक अच्छी खासी व्यवस्था जो आम जनता को राहत देने वाली है खत्म होने की कगार पर है। हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड यूपीपीसीएल के चेयरमैन आईएएस अफसर एम देवराज और मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी भवानी सिंह खंगारौत की। इन अफसरों के अहम की वजह से राजस्व संग्रह करने वाली ई-सुविधा के काउंटर हमेशा-हमेशा के लिए बंद होने जा रहे हैं। भवानी सिंह खंगारौत ने पत्र जारी कर साफ कर दिया है कि 24 अक्टूबर से ई-सुविधा केंद्रों की जगह निगम के कर्मचारी बिलिंग का काम करेंगे।

ई-सुविधा परियोजना 2019 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई थी। एक कार्यदायी संस्था को 7(5+2) वर्ष की अवधि के लिए ई-सुविधा द्वारा फरवरी 2019 में 19 रूपए प्रति ट्रांजेक्शन की दर चयनित की गई थी। इस संस्था का कार्य मंध्यान्चल विद्युत वितरण निगम के बिजली केंद्रों पर बिलिंग का था। जिसके बदले उनको कमीशन मिलता था। लेकिन अचानक यूपीपीसीएल चेयरमैन एम देवराज और एमवीवीएनएल के एमडी भवानी सिंह द्वारा नियमों को दरकिनार करते हुए यह निर्देशित किया गया है कि सारे बिलिंग एजेंसियों ई-सुविधा, सीएससी, वीएलई को दिए गए कार्य एकत्रित राजस्व का 0.5 फीसदी मूल्य पर संचालित किए जाए, जोकि संभव नहीं है। क्योंकि अन्य एजेंसियों द्वारा दी जा रही सुविधाओं और ई-सुविधा द्वारा आवंटित संस्था में बहुत अंतर है और साथ ही यह पारदर्शी प्रतिस्पर्धा निविदा की शर्तों का उल्लंघन भी है।

ई-सुविधा को अन्य एजेंसियों सीएससी, वीएलई की दरों पर कार्य करने का निर्देश दिया गया है। जबकि ई-सुविधा का चयन पारदर्शी प्रतिस्पर्धा निविदा के माध्यम से किया गया था, जिसके दरों के निर्धारण में कई महत्वपूर्ण लागतों को सम्मिलित किया गया था यानी की ई-सुविधा की दरों का एक आधार है जबकि अन्य एजेंसियों सीएससी, वीएलई के रेट का कोई विशेष आधार नहीं है।

एम देवराज, चेयरमैन, यूपीपीसीएल

भवानी सिंह खंगारौत, एमडी, एमवीवीएनएल

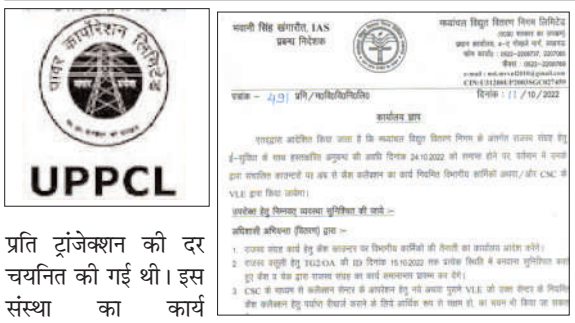

ई-सुविधा के परियोजना निदेशक की भी न सुनी

उत्तर प्रदेश सरकार की आईटी विभाग की सरकारी एजेंसी के रूप में ई-सुविधा कई विभागों में काम कर रही है। उनमें से एक विद्युत विभाग भी है। ई-सुविधा का मंध्यान्चल विद्युत वितरण निगम से एक फरवरी 2019 को पांच वर्षों के लिए करार हुआ था और ये सेवाएं दो साल आगे के लिए बढ़ाई भी जा सकती थी। ई-सुविधा ने एमवीवीएनएल के बिजली केंद्रों पर अपना पूरा सेटअप तैयार कर रखा था, जिसके तहत बिजली के बिलों का कलेक्शन किया जाता था। ग्राहकों की सहूलियत के लिए उचित बैठने की व्यवस्था, हवा, पानी आदि की सुविधाएं थी। लेकिन अन्य एजेंसियां सीएससी, वीएलई इस तरह की कोई सुविधाएं ग्राहकों को नहीं देती है। जबकि दोनों को प्रति ट्रांजेक्शन कमीशन के तौर पर अचानक एक रेट तय कर दिया गया। जिसका ई-सुविधा द्वारा विरोध किया गया। और कहा गया कि जो भी दरें तय की गई है। उस पर काम करने के लिए ई-सुविधा तैयार है। लेकिन अन्य एजेंसियों की तरह ग्राहक सुविधाओं में कुछ कटौती की जाएगी। लेकिन इस पर भी एमडी राजी नहीं हुए। ई-सुविधा के परियोजना निदेशक अक्षय त्रिपाठी ने यूपीपीसीएल के चेयरमैन और एमवीवीएनएल के एमडी भवानी सिंह खंगारौत को पत्र लिखकर करार खत्म न करने का अनुरोध किया। जिसका भी कोई असर नहीं हुआ। ई-सुविधा के द्वारा लगभग 250 सौ से 300 करोड़ रूपए राजस्व के रुप में प्रति माह एकत्रित किया जाता था जिसके सापेक्ष ई-सुविधा लगभग एक करोड़ की सुविधा शुल्क लेती थी, अब इसमें 4 से 5 गुना बढ़ोतरी की संभावना है। क्योंकि एमवीवीएनएल सारा खर्च और हार्डवेयर की जिम्मेदारी लेगा। जो कार्य 10-15 हजार वेतन वाले लोग करते थे वही कार्य एमवीवीएनएल अपने टीजीटी 2 ग्रेड के कर्मचारियों से करवाएगा, जिनका वेतन निश्चित तौर पर वर्तमान कार्य करने वाले लोगों से ज्यादा ही होगा यानी की कार्य वही पर लागत बढ़ जाएगी।

गोंडा में दर्दनाक सड़क हादसा, दो सगी बहनों समेत तीन छात्रों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोंडा-लखनऊ फोरलेन पर कर्नलगंज के चौरी चौराहे पर अज्ञात वाहन की ठोकर से दो सगी बहनों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। जबकि एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। वाहन चालक फरार होने में सफल हो गया। उधर परिवारजन को सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों में सत्यम शुक्ला, शिवांजलि व तनवी शामिल हैं।

शिवांशी का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। चिकित्सक ने उसकी हालत को नाजुक बताया है। बताया जाता है कि सूबेदारपुरवा के रहने वाले रामसागर का बेटा सत्यम शुक्ला, विजय शुक्ला की बेटी शिवांजलि, तनवी व शिवांशी मंगलवार की सुबह करीब पौने नौ बजे चौरी प्राथमिक विद्यालय पढ़ने के लिए घर से निकली थी। सड़क के किनारे लगे प्लांट के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने चारों को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें मौके पर सत्यम, शिवांजलि व तनवी की मौत हो गई। शिवांजलि व तनवी दोनों सगी बहनें बताई जा रही है। इनकी एक बहन शिवांशी घायल हैं। ग्रामीण व आसपास के लोग एकत्र हो गए। स्कूल के शिक्षक भी भाग कर मौके पर पहुंचे। घटना से आक्रोशित लोगों ने मार्ग पर प्रदर्शन किया। किस वाहन से हादसा हुआ है। इसकी पड़ताल पुलिस ने शुरू कर दी है।

गांव में छाया मातम

एक ही घर के तीन बेटियां हादसे का शिकार हो गईं है। इनमें से दो बेटियों की जान चली गई। जबकि एक गंभीर अवस्था में जीवन मौत के बीच संघर्ष कर रही है। वहीं रामसागर के घर का चिराग भी बुझ गया। क्या पता था कि अब तीनों लौटकर घर नहीं आएंगे। जो जहां था वहीं से घटना स्थल की ओर दौड़ चला। स्कूल के पास हुई घटना से अब ग्रामीणों में अपने बच्चों को लेकर दहशत व्याप्त हो गई है। वहीं कुछ लोगों ने स्कूल के निकट संकेत बोर्ड व स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है। सीओ मुन्ना उपाध्याय ने कहा कि हादसे में शामिल वाहन की पड़ताल कराई जा रही है। जल्द ही आरोपित गिरफ्त में होंगे।

सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर काम करने की जरूरत: राजनाथ

» आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की लकीर खत्म की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले दो दशक में आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच खाई तेजी से कम हो रही है। परंतु उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि स्वतंत्र मीडिया, न्यायपालिका, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) और गतिशील लोकतंत्र का दुरुपयोग देश की सुरक्षा व्यवस्था को खत्म करने के लिए किया जा सकता है।

रक्षा मंत्री ने गांधीनगर में कहा कि हाइब्रिड युद्ध में आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की लकीर लगभग खत्म हो जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर एकीकृत रूप से काम करने की जरूरत है। आतंकवाद, साइबर युद्ध, मानव तस्करी, मनी लांड्रिंग, मादक पदार्थों से जुड़े अपराध इत्यादि भले ही अलग-अलग नजर आते हों, लेकिन ये सभी आंतरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं और सुरक्षा के लिए चुनौती बने हुए हैं। बदलते समय के साथ सुरक्षा आयामों में तेजी से परिवर्तन आया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आम तौर पर हम सुरक्षा को दो पहलुओं से देखते हैं-आंतरिक और बाहरी। पिछले दो दशकों में यह देखा गया है कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की खाई कम हो रही है। युद्ध के दौरान आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की रेखा लगभग गायब हो जाती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी देश की सुरक्षा को नष्ट करने के लिए काम करने वाली ताकतें इंटरनेट मीडिया, गैर सरकारी संगठनों, न्यायपालिका और लोकतंत्र का दुरुपयोग कर सकती हैं।

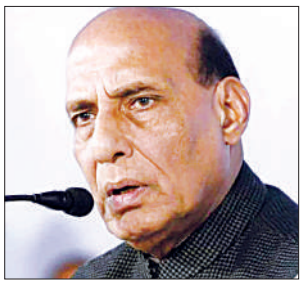

'स्ट्रीट लाइटें ठीक न हुईं तो बर्खास्त होंगे मुख्य अभियंता'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में लगातार निर्देशों के बाद भी स्ट्रीट लाइटों में कोई सुधार न दिखने पर मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब नाराज दिखी। उन्होंने कहा कि अगर इस सप्ताह अगर शहर की सभी स्ट्रीट लाइट सही नहीं हुई तो एजेंसी ईईएसएल कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर सबंधित को जेल भेजा जाएगा।

दीपावली में सभी स्ट्रीट लाइटें जलनी चाहिए। शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर निगम के केंद्रीय कार्यशाला और मार्ग प्रकाश विभाग के मुख्य अभियंता संजय कटियार को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि अगर किसी प्रकार की लापरवाही हुई तो उन्हें (मुख्य अभियंता) बर्खास्त करने की कार्यवाही की जाएगी। मंडलायुक्त ने कहा कि नगर निगम में जो गाड़ियां कंडम हैं, उसकी नीलामी तत्काल करें।

मेरठ की हवा देश में सबसे जहरीली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में सबसे जहरीली मेरठ की हवा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदूषित शहरों की रैंकिंग जारी की गई। देश के 162 शहरों की सूची में मेरठ नंबर एक पर है। मेरठ की हवा सबसे जहरीली है। सोमवार को मेरठ का औसत एक्यूआई 399 रहा। शाम ढलते ही यह 345 पर पहुंच गया। सबसे ज्यादा प्रदूषण गंगानगर में निकला। दिवाली पर ये प्रदूषण और बढ़ने के आसार हैं। पूरे एनसीआर से लेकर मेरठ से सटे वेस्ट यूपी के जिलों में इस समय बेहिसाब निर्माण कार्य हो रहे हैं। प्रदूषण बढ़ने का बड़ा कारण निर्माण कार्य हैं।

युवाओं को मिले रोजगार के अवसर: डॉ. सनोबर

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित हुआ रोजगार मेला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय आशियाना में आज रोजगार मेला का आयोजन हुआ, जिसमें तृतीय वर्ष के स्नातक होने वाले विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

मेले की संयोजक डॉ. सनोबर हैदर थी, जिसके आयोजक मंडली में डॉ. मधुमिता गुप्ता, दिगविजय सिंह, सुनील निरंजन एवं श्रीप्रमोद उपाध्याय एवं डॉ. रश्मि यादव थे। मेले का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या सुमन गुप्ता ने किया। उक्त मेले में मेसर्स ब्राइट फोर व्हील्स लखनऊ डीजल एंड इलेक्ट्रिकल्स स्विफ्ट ट्रक्स एलएलपी स्विफ्ट कंस्ट्रक्शन एक्सपर्ट तथा द हेजल नट फैक्ट्री सरस्वती डेंटल कॉलेज जैसे बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने महाविद्यालय के छात्रों का साक्षात्कार ले कर उनमें से योग्य छात्रों को नियुक्ति पत्र जारी करने की बात कही। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजक डॉ सनोबर हैदर ने बताया कि उनके द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या के निर्देशन में भविष्य में भी ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन कर छात्रों को ऐसे रोजगार के अवसर प्रदान कराये जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।